मुख्यमंत्री की नियुक्ति

संदर्भ: हाल ही में पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों के बाद मुख्यमंत्रियों की नियुक्ति और मंत्रिपरिषद के विस्तार की प्रक्रिया चल रही है।

- राज्य स्तर पर मुख्यमंत्री की भूमिका, केंद्रीय स्तर के प्रधानमंत्री के समकक्ष होती है।
- मुख्यमंत्री की नियुक्ति संविधान के अनुच्छेद 164 के अंतर्गत राज्यपाल द्वारा की जाती है।
- मुख्यमंत्री के चयन में प्रायः उस राजनीतिक दल को प्राथमिकता दी जाती है जिसने विधानसभा चुनाव में सर्वाधिक सीटों पर विजयी रहा हो।
- राज्यपाल के पास राज्य में औपचारिक कार्यकारी शक्तियां होती हैं।
- मुख्यमंत्री व्यावहारिक नेतृत्व की भूमिका निभाते हुए वास्तविक कार्यकारी प्राधिकार का प्रयोग करते हैं।

अनुच्छेद	प्रावधान
163	राज्यपाल को सहायता और सलाह देने के लिए मंत्रिपरिषद
164	मंत्रियों के संबंध में अन्य प्रावधान
166	किसी राज्य की सरकार के कामकाज का संचालन
167	राज्यपाल को सूचना प्रस्तुत करने आदि के संबंध में मुख्यमंत्री के कर्तव्य

नियुक्ति प्रक्रिया:

- राज्यपाल सदन में सबसे बड़े राजनीतिक दल के नेता या सबसे बड़े गठबंधन द्वारा चुने गए नेता को मुख्यमंत्री नियुक्त करता है।
- स्पष्ट बहुमत के अभाव में राज्यपाल परिस्थितिजन्य विवेकाधिकार का प्रयोग कर सकता है और एक नेता को मुख्यमंत्री नियुक्त कर सकता है। जिसे बाद में विधानसभा में बहुमत साबित करना होता है।
- यदि मुख्यमंत्री की मृत्यु उत्तराधिकारी की घोषणा के बिना हो जाती है तो राज्यपाल अपने विवेकाधिकार का उपयोग करके किसी नेता को चुन सकता हैं। हालांकि, यदि सत्ताधारी पार्टी किसी को अपना नेता चुनती है, तो राज्यपाल को उस व्यक्ति को नियुक्त करना होता है।
- मुख्यमंत्री को छह महीने के भीतर किसी भी सदन का सदस्य न बनने पर पद खोना पड़ता है। हालाँकि, राज्यपाल मुख्यमंत्री की नियुक्ति करता है और उन्हें तब तक बर्खास्त नहीं कर सकता जब तक कि उनके पास सदन में बहुमत हो।
- राज्य विधानसभा के लिए आम चुनाव के बाद राज्यपाल द्वारा नियुक्त मुख्यमंत्री को मंत्रिपरिषद बनाने का निर्देश दिया जाता है।

कार्य:

- अन्य मंत्रियों की नियुक्ति मुख्यमंत्री की सलाह पर राज्यपाल द्वारा की जाती है।
- मुख्यमंत्री, मंत्रिपरिषद के प्रमुख के रूप में त्यागपत्र देकर मंत्रिपरिषद को भंग कर सकता है।
- संविधान का अनुच्छेद 167 मुख्यमंत्री को राज्यपाल और राज्य मंत्रिपरिषद के बीच सेतु के रूप में नामित करता है।
- मुख्यमंत्री महाधिवक्ता, राज्य लोक सेवा आयोग के अधिकारियों और राज्य चुनाव आयोग के सदस्यों सहित महत्वपूर्ण नियुक्तियों पर राज्यपाल को सलाह देते हैं।
- मुख्यमंत्री राज्यपाल से विधानसभा भंग करने की अनुशंसा करता है।

अन्य कार्य:

- मुख्यमंत्री राज्य योजना बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में कार्य करता हैं।
- मुख्यमंत्री संबंधित क्षेत्रीय परिषद के उपाध्यक्ष के रूप में चक्रीय आधार पर एक वर्ष के लिए पद धारण करता है।
- मुख्यमंत्री अंतर-राज्य परिषद और नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल के सदस्य के रूप में कार्य करता है।
- मुख्यमंत्री राज्य सरकार के मुख्य प्रवक्ता के रूप में कार्य करता है।
- मुख्यमंत्री आपदा के समय राजनीतिक स्तर पर मुख्य आपदा प्रबंधक के रूप में कार्य करता है।
- मुख्यमंत्री विभिन्न समूहों के साथ बातचीत करता है तथा विभिन्न मुद्दों पर ज्ञापन प्राप्त करता है।
- मुख्यमंत्री राज्य की सेवाओं के राजनीतिक नेता के रूप में कार्य करता है।
- मुख्यमंत्री विधानसभा के पटल पर सभी नीतियों की घोषणा करता है।

अवधि:

- मुख्यमंत्री राज्यपाल के प्रसाद पर्यंत कार्य करते हैं और उनका कार्यकाल निश्चित नहीं होता है।
- यदि विधानसभा में उनकी पार्टी का बहुमत समाप्त हो जाता है या वे विधानसभा का विश्वास मत खो देते हैं, तो उन्हें इस्तीफा देना पड़ता है।

कार्बन संग्रहण और भंडारण (CCS)

संदर्भ: दुबई में COP- 28 में, कार्बन उत्सर्जन को संबोधित करने और कम करने के लिए कार्बन संग्रहण और भंडारण (Carbon Capture and Storage- CCS) तथा कार्बन डाइऑक्साइड हटाने (CDR) की तकनीकों का उपयोग करने पर चर्चा की गई।

CCS प्रक्रिया:

- **कार्बन संग्रहण:**
  - इसमें औद्योगिक प्रक्रियाओं या जीवाश्म ईंधन जलाने से उत्पन्न CO_2 को संग्रहीत करना सम्मिलित है।
  - सामान्य स्रोतों में इस्पात एवं सीमेंट उत्पादन और बिजली उत्पादन ईकाईयाँ शामिल हैं।
- **परिवहन**: संपीड़ित कार्बन डाइऑक्साइड को पाइपलाइनों, सड़क परिवहन या जहाजों के माध्यम से भंडारण स्थल तक पहुँचाया जाता है।

- **भंडारण:** कार्बन डाइऑक्साइड को स्थायी भंडारण के लिए भूगर्भीय संरचनाओं में भूमिगत रूप से प्रवेक्षित कराया जाता है। संभावित भंडारण स्थलों में खारे जलभृत या रिक्त तेल और गैस स्थल सम्मिलित हैं।

CCS और ग्लोबल वार्मिंग:

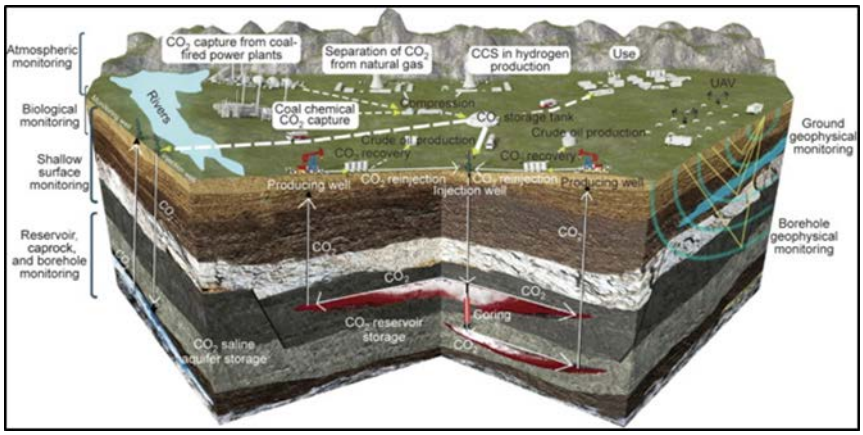

- पेरिस समझौते के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए CCS जैसी प्रौद्योगिकियां महत्वपूर्ण हैं।
- IPCC तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने के लिए कार्बन हटाने की तकनीकों की आवश्यकता पर जोर देता है।
- CCS कार्बन उत्सर्जन को संग्रहीत करके ग्लोबल वार्मिंग को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

CCUS (Carbon Capture, Utilisation and Storage)

- CCUS में कार्बन एकत्रण तथा औद्योगिक प्रक्रियाओं में इसका पुनरुपयोग करना शामिल है।
- इसमें संग्रहीत कार्बन का उपयोग प्लास्टिक, कंक्रीट या जैव ईंधन जैसे अनुप्रयोगों के लिए किया जाता है।

CCS की सुरक्षा:

- ग्लोबल सीसीएस इंस्टीट्यूट के अनुसार, CCS 45 से अधिक वर्षों के सुरक्षित संचालन के साथ एक बेहतर तकनीक है।
- CCS के सभी घटक व्यावसायिक पैमाने पर उपयोग की जाने वाली प्रौद्योगिकियां हैं।

वर्तमान स्थिति और विकास:

- विश्व स्तर पर 194 , CCS सुविधाएं संचालित हैं। जिसमें 2022 में 61 नई सुविधाएं जोड़ी गई हैं। ये प्रचालन, निर्माणाधीन और विकास के विभिन्न चरणों में संचालित की जा रही हैं।
- 2022 में CO2 अवशोषण क्षमता 244 मिलियन टन प्रति वर्ष तक पहुंच गई है, जो इस क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति को दर्शाता है।

वैश्विक कार्यान्वयन:

- पहली CCS परियोजना 1972 से अमेरिका में परिचालन में है।
- वैश्विक स्तर पर अमेरिका में 80, ब्रिटेन में 27 तथा यूरोप, एशिया-प्रशांत और मध्य पूर्व में अन्य परियोजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं।
- कार्बन उत्सर्जन को संबोधित करने के लिए CCS सुविधाओं का निरंतर विकास और विस्तार किया जा रहा है।

प्रकृति के लिए वित्त की स्थिति रिपोर्ट

संदर्भ: हाल ही में संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी रिपोर्ट "प्रकृति के लिए वित्त की स्थिति" से पता चलता है कि विश्व स्तर पर हर साल सब्सिडी और निजी निवेश में लगभग 7 ट्रिलियन डॉलर आवंटित किए जाते हैं, जो पर्यावरणीय हानि का कारण बनते हैं।

- सार्वजनिक और निजी स्रोतों से प्रकृति पर नकारात्मक प्रभाव उत्पन्न करने वाला वार्षिक वित्त प्रवाह लगभग 7 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है।

वैश्विक निजी वित्त प्रवाह का प्रकृति पर प्रभाव:

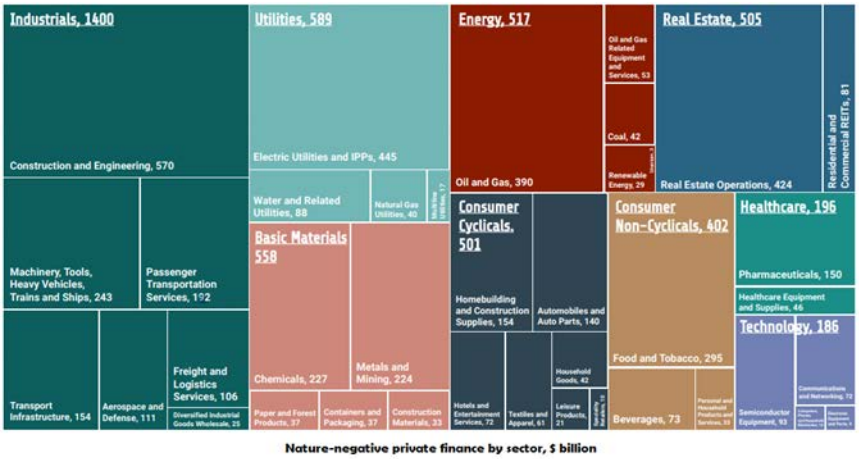

Nature-negative private finance by sector, $ billion

- वैश्विक निजी वित्त प्रवाह का प्रति वर्ष 5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है, जो वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 5% है।
- प्रकृति- नकारात्मक निजी वित्त (PMMF), प्रकृति आधारित समाधान (NbS) में निवेशित किए गए निजी निवेश से 140 गुना अधिक है।
- निर्माण, विद्युत उपयोगिताएँ, रियल एस्टेट, तेल और गैस तथा भोजन और तंबाकू सहित पाँच उद्योग सामूहिक रूप से 43% प्रकृति-नकारात्मक वित्त प्रवाह का प्रतिनिधित्व करते हैं।

ट्रैक किए गए प्रकृति-नकारात्मक सार्वजनिक वित्त प्रवाह:

- 2022 में इसके लगभग US$1.7 ट्रिलियन होने का अनुमान है, जो NbS में सार्वजनिक वित्त प्रवाह (US$165 बिलियन) से 10 गुना अधिक है।
- ट्रैक किए गए नकारात्मक सार्वजनिक वित्त प्रवाह का लगभग 90% जीवाश्म ईंधन (69%) और कृषि (20%) से होता है।
- उपभोक्ताओं को जीवाश्म ईंधन सब्सिडी 2021 में 563 बिलियन अमेरिकी डॉलर से दोगुनी होकर 2022 में 1,163 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गई है।

प्रकृति-आधारित समाधान (NbS) वित्त:

- 2022 में NbS में कुल वार्षिक वित्त प्रवाह लगभग 200 बिलियन अमेरिकी डॉलर था, जो 2030 तक आवश्यक राशि का एक तिहाई है।
- सरकारें कुल NbS वित्त प्रवाह के 82% (यूएस$165 बिलियन) के साथ आगे हैं।
- NbS में वित्त प्रवाह को 2030 तक प्रति वर्ष 542 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने के लिए लगभग तीन गुना और 2050 तक 737 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने के लिए चार गुना करने की आवश्यकता है।

NbS के लिए अतिरिक्त वित्त आवश्यकताएँ:

- रियो कन्वेंशन के लक्ष्यों तक पहुंचने के लिए 2030 तक 542 बिलियन अमेरिकी डॉलर और 2050 तक 737 बिलियन अमेरिकी डॉलर अतिरिक्त वार्षिक वित्त की आवश्यकता है।
- स्थायी भूमि प्रबंधन में वार्षिक निवेश 2025 में 63 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2050 तक 241 बिलियन अमेरिकी डॉलर होने की संभावना है।

NbS में सार्वजनिक और निजी वित्त प्रवाह:

- वित्तीय अंतराल को कम करने के लिए NbS में सार्वजनिक और निजी वित्त प्रवाह दोनों में वृद्धि होनी चाहिए।
- निजी वित्त की हिस्सेदारी संभावित रूप से 2050 तक 18% से बढ़कर 33% हो जाएगी तथा 2030 तक कुल वार्षिक निजी NbS वित्त 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक हो जाएगा।
- वर्तमान NbS वित्त प्रकृति-नकारात्मक वित्त प्रवाह के 3% से कम है।
- 2030 में वार्षिक NbS निवेश की आवश्यकता वर्तमान NbS वित्त से 3 गुना और प्रकृति-नकारात्मक वित्त प्रवाह के 10% से कम है।

कार्रवाई के लिए सिफ़ारिशें:

- प्रकृति-नकारात्मक वित्त प्रवाह को कम करके हरित वित्त को बढ़ावा देना।
- NbS में सार्वजनिक फंडिंग और निजी निवेश को बढ़ाकर हरित वित्त पोषण को बढ़ावा देना।
- विशेष रूप से कमजोर समूहों, महिलाओं और स्वदेशी लोगों के लिए न्यायसंगत परिवर्तन हेतु हरित और समावेशी वित्तीय प्रणाली स्थापित करना।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

ग्लोबल पार्टनरशिप फॉर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

हाल ही में, नई दिल्ली के भारत मंडपम में वार्षिक ग्लोबल पार्टनरशिप फॉर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (GPAI) शिखर सम्मेलन का शुभारंभ हुआ, जिसमें सुरक्षा और विकास चुनौतियों जैसे AI मुद्दों पर चर्चा की गई।

ग्लोबल पार्टनरशिप फॉर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बारे में:

- ग्लोबल पार्टनरशिप फॉर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (जीपीएआई) एक अंतरराष्ट्रीय पहल है जो एआई के उत्तरदाई विकास और उपयोग का मार्गदर्शन करती है।
- इसकी स्थापना जून 2020 में 15 सदस्यों के द्वारा हुई।
- जिम्मेदारपूर्ण विकास, मानवाधिकार, लोकतांत्रिक मूल्य, समावेश, विविधता, नवाचार और आर्थिक विकास इसके प्रमुख लक्ष्य है।
- इसका उद्देश्य एआई-संबंधित प्राथमिकताओं पर अनुसंधान और व्यावहारिक गतिविधियों का समर्थन करके सिद्धांत और व्यवहार के अंतराल को समाप्त करना है।

डेमोर्चेस्टिया एलानेंसिस

हाल ही में, ओडिशा के बेरहामपुर विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने चिल्का झील में समुद्री एम्फ़िपोड डेमोरचेस्टिया की एक नई प्रजाति की खोज की है।

डेमोर्चेस्टिया एलानेंसिस (Demaorchestia alanensis) के बारे में:

- डेमोर्चेस्टिया एलानेंसिस समुद्री एम्फ़िपोड की एक नई प्रजाति है।
- इस प्रजाति का नाम आयरलैंड के यूनिवर्सिटी कॉलेज कॉर्क के प्रोफेसर एलन मायर्स के नाम पर रखा गया था, जिन्होंने वैश्विक समुद्री एम्फ़िपोड अध्ययन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।
- यह झींगा जैसा एक क्रस्टेशियन है।
- यह सफेद रंग का और 15 मिलीमीटर तक लंबा और 13 जोड़ी पैरों वाला होता है।
- यह खाद्य श्रृंखला में योगदान देता है और जलवायु परिवर्तन प्रभावों और तटीय पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण संकेतक के रूप में कार्य करता है।

गोल्ड फिश

हाल ही में, गोल्ड फिश को प्राकृतिक जल निकायों में छोड़े जाने पर यह एक बड़ा संकट बनकर उभरी है।

गोल्ड फिश के बारे में:

- गोल्ड फिश (कैरासियस ऑराटस) एक मीठे पानी की मछली है जिसे प्राय: एक्वैरियम में रखा जाता है।
- इसे पहली बार चीन में तांग राजवंश के समय भोजन के लिए पाला गया था।
- यह मछली के साइप्रिनिडे परिवार का हिस्सा है, जिसमें मिननो, बिटरलिंग्स, बार्ब्स और कार्प भी शामिल हैं।
- इसमें सूंघने और सुनने की तीव्र शक्ति होती है।
- यह एक सर्वाहारी है जो पौधों और जंतुओं दोनों का भक्षण करती है।
- यह एक फुट से अधिक लंबी हो सकती है और 15 वर्ष तक जीवित रह सकती है

भंवर

भंवर की घटनाओं को समझने के लिए वैज्ञानिक, भंवर के संकेतों का विश्लेषण कर रहे हैं।

भंवर (Turbulence) के बारे में:

- भंवरों की विशेषता अनियमित गति और दबाव के उतार-चढ़ाव के साथ अस्थिर, अप्रत्याशित द्रव गति तथा घूमने वाले पैटर्न हैं।
- यह हवा या पानी जैसे तरल पदार्थों में चक्रीय या गोलाकार गति है।
- भंवर विभिन्न स्थितियों से उत्पन्न हो सकता है, जैसे वायुमंडलीय दबाव, जेट स्ट्रीम, पर्वतीय हवा, ठंडे या गर्म मौसम और तूफान परिस्थितियों में।
- यह लैमिनर प्रवाह से भिन्न है, जो तब होता है जब कोई तरल पदार्थ बिना किसी व्यवधान के समानांतर परतों में बहता है।
- नेवियर-स्टोक्स समीकरण द्रव व्यवहार को समाहित करते हैं, जिसमें लामिना और भंवर प्रवाह दोनों शामिल होते हैं।

समाचारों में स्थान

यमन

हाल ही में, यमन के हूती/हौथी (Houthi) विद्रोहियों ने एक नार्वेजियन-ध्वज वाले टैंकर पर मिसाइल से हमले की जिम्मेदारी ली है।

यमन (राजधानी: सना)

अवस्थिति: यमन पश्चिम एशिया का एक देश है, जो अरब प्रायद्वीप के दक्षिणी छोर पर स्थित है।

भौगोलिक सीमाएँ: यमन सऊदी अरब (उत्तर), ओमान (पूर्व), लाल सागर (पश्चिम), बाब-अल-मंडेब जलडमरूमध्य (दक्षिण-पश्चिम), अदन की खाड़ी (दक्षिण) के साथ भौगोलिक सीमाएँ तथा जिबूती, इरिट्रिया और सोमालिया के साथ समुद्री सीमाएँ साझा करता है।

भौतिक सुविधाएँ:

- जबल अन-नबी शुएब यमन और अरब प्रायद्वीप का सबसे ऊंचा पर्वत है।
- यमन के पास लाल सागर और अरब सागर दोनों में कई द्वीप हैं, जैसे लाल सागर में हनीश द्वीप, कामरान और पेरिम तथा अरब सागर में सोकोत्रा।

POINTS TO PONDER

- कौन सा राज्य 'काला जीरा चावल' नामक खाद्य उत्पाद के लिए प्रसिद्ध है? - **ओडिशा**
- महिला यात्रियों को मुफ्त यात्रा प्रदान करने वाली तेलंगाना सरकार की योजना का क्या नाम है? - **महा लक्ष्मी योजना**
- RBI ने किस क्षेत्र के ई-मैंडेट के लिए UPI सीमा 1 लाख से बढ़ाकर 5 लाख कर दी है? - **स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा**
- वित्तीय जोखिम से निपटने के लिए "एक प्रांत, एक नीति" किस देश द्वारा शुरू की गई है? - **चीन**
- स्वामित्व योजना के लिए नोडल मंत्रालय कौन सा है? - **पंचायती राज मंत्रालय**